संपादकीय

आर एन टी सी पी क्रियाकलापों के विस्तार के साथ ही, औषधि प्रतिरोध की निगरानी, विशेषतया प्रारंभिक औषधि प्रतिरोध की जानकारी की सीमाओं की दृष्टि से, निर्णायक बन गई है । इस अंक में, कर्नाटक राज्य के मैसूर जिले में औषधि प्रतिरोध की निगरानी को उजागर किया गया है । क्षय रोग। एच आई वी सह - संक्रमण चिंता का दूसरा क्षेत्र बना है । क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम में, लेखक ने जैसे सूचित किया है, भारत में क्षय रोग। एच आई वी सह - संक्रमण के प्राप्त आंकडें मुख्य चुनौति पेश करते हैं ।

पत्रिका के क्षेत्र अनुभव खण्ड में, श्री एच.डी. सुरेन्द्र, प्रयोगशाला तकनीशियन ने पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान व निकोबार द्वीप), जहाँ संवेदीकरण कार्यक्रम के परिणामस्वरूप तकनीशियनों के निष्पादन में पर्याप्त सुधार पाई गई है, की अपनी भेंट के अनुभवों को प्रस्तुत किया है । श्री बी.ए. शिवशंकर, स्वास्थय आगंतुक ने हमारे समाज के कुछ भागों में महसूस की गई क्षय रोग की सामाजिक व मनोवैज्ञानिक पहलुओं से संबद्ध एक क्षय रोगी की व्यथा से संबंधित अपने अनुभवों को निष्पक्ष भाव से व्यक्त किया हैं ।

*संस्थान से, डिजिटल पुस्तकालय पर प्रयोक्ता मैनुअल के प्रकाशन के अलावा वैज्ञानिक लेखों और एन टी आई प्रकाशनों के अंकीकरण के द्धारा ज्ञान प्रसरण में सतत वृद्धि प्रतिबिंबित होती है । तदनुसार, जारी स्वास्थ्य अंतरजाल भारत - एक पथप्रदर्शी परियोजना के फलस्वरूप पी डी ए पर आधारित चल आंकडे संग्रहण प्रणाली के विकास के द्वारा **28** अक्तूबर **2003** का एन टी आई में डिजिटल पुस्तकालय ने साकार रूप ग्रहण किया ।*

*जुलाई - दिसम्बर **2003** के दौरान एन टी आई में प्रशिक्षण क्रियाकलाप बढे तथा केवल देश के विभिन्न भागों से ही नहीं किंतु पडोसी देशों से भी प्रशिक्षणार्थी इसमें भाग ले रहे हैं । एन टी आई में नियमित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठयक्रम प्रत्याशित हैं जिसके लिए अवसंरचना तथा संबंधित प्रशिक्षण सामग्रियों का अतिरिक्त प्रबंध आवश्यक है ।*

आर एन टी सी पी के अंतर्गत आई ई सी क्रियाकलापों के सशक्तिकरण के लिए, सावधानीपूर्वक तैयार किए गए छात्र दूतों के द्वारा झोपड़पट्टियों के अन्य स्कूलों के साथ नेटवर्क स्थापित करने की नवीन विधा के माध्यम से क्षय रोग संबंधी जानकारी का प्रसार व हिमायत जारी रहेंगे ।

सम्पादक

Editorial

With the expansion of RNTCP activities, surveillance of drug resistance has become crucial especially in view of limitations about information on initial drug resistance. In this issue, surveillance of drug resistance in Mysore district of Karnataka state has been highlighted. Another area of concern remains TB / HIV co-infection. The available data on TB / HIV co-infection from India poses a major challenge in the TB control programme as indicated by the author.

In the field experience section of the bulletin, Shri. H.D Surendra, Lab Technician has shared his experience during visit to Port Blair (Andaman & Nicobar Islands) where significant improvement in the performance of technicians has been observed as a result of sensitization programme. Shri BA. Shivshankara, Health Visitor has candidly narrated his experience about agony of a TB patient revealing the social and psychological aspects of TB disease in certain segments of our society.

From the institute, continued growth in dissemination of knowledge has been reflected through digitization of scientific papers and NTI publications besides bringing out user manual on digital library. Accordingly, launching of digital library at NTI became a reality on 28th October 2003 with development of PDA based mobile data collection system as a result of ongoing Health InterNetwork India - A pilot project.

Training activities at NTI during July - December 2003 increased and trainees not only from various parts of the country but also from the neighboring countries are participating. It is envisaged that international training courses are likely to be a regular feature at NTI requiring further improvisation of infrastructure and related training materials.

For strengthening of IEC activities under RNTCP, advocacy and awareness on TB continues with its innovative approach by initiating a network with other schools in slum areas through well-groomed student ambassadors.

Editor